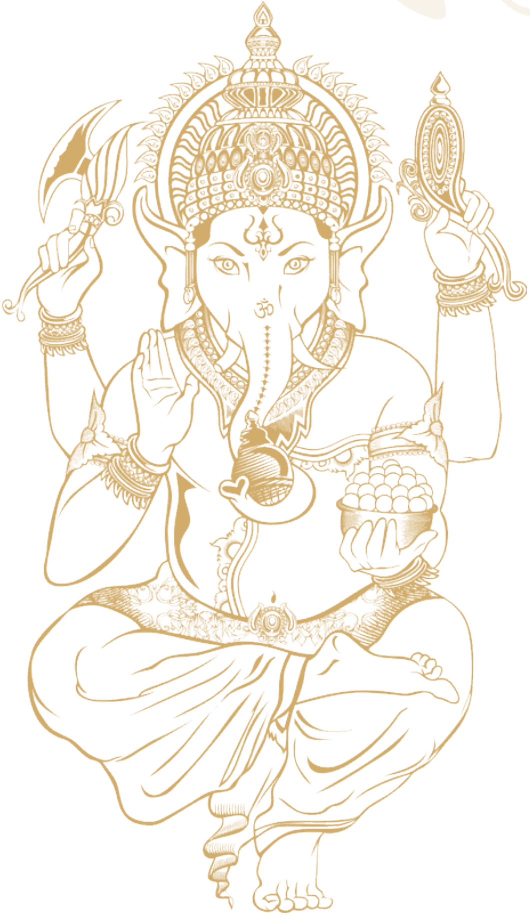

Aastha mavi

31 Jul 2002

02:45 AM

Meerut

Model: web-freekundliweb

Order No: 121760706

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**30-31/07/2002**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**02:45:00 घंटे**
इष्ट	52:45:56 घटी
स्थान	**Meerut**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	29:00:00 उत्तर
रेखांश	77:42:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:25:48 घंटे
वेलान्तर	-00:06:26 घंटे
साम्पातिक काल	22:59:08 घंटे
सूर्योदय	05:38:37 घंटे
सूर्यास्त	19:12:09 घंटे
दिनमान	13:33:32 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	13:38:04 कर्क
लग्न के अंश	04:54:10 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**रेवती - 4**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	धृति
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	गज
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ची-चित्रलता
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोनः- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	04:54:10	332:51:05	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	सूर्य	---
सूर्य			कर्क	13:38:04	00:57:23	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	मित्र राशि
चंद्र			मीन	26:41:37	11:51:29	रेवती	4	27	गुरु	बुध	गुरु	सम राशि
मंगल		अ	कर्क	17:09:44	00:38:21	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	नीच राशि
बुध		अ	कर्क	24:12:06	01:54:48	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	शत्रु राशि
गुरु		अ	कर्क	05:42:14	00:13:19	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	बुध	उच्च राशि
शुक्र			सिंह	28:10:33	01:04:21	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	शत्रु राशि
शनि			मिथु	00:51:27	00:06:25	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	मित्र राशि
राहु	व		वृष	22:32:43	00:02:40	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	22:32:43	00:02:40	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	मित्र राशि
हर्ष	व		कुंभ	03:44:55	00:02:12	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	---
नेप	व		मक	15:45:12	00:01:38	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	---
प्लूटो	व		वृश्चि	21:11:43	00:00:48	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
दशम भाव			कुंभ	19:35:36	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:53:19

लग्न-चलित

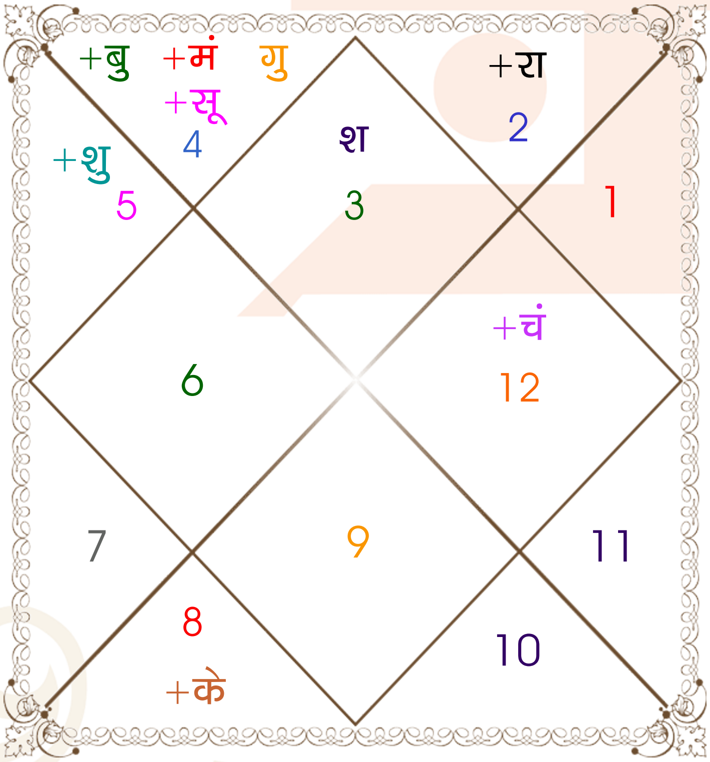

चन्द्र कुंडली

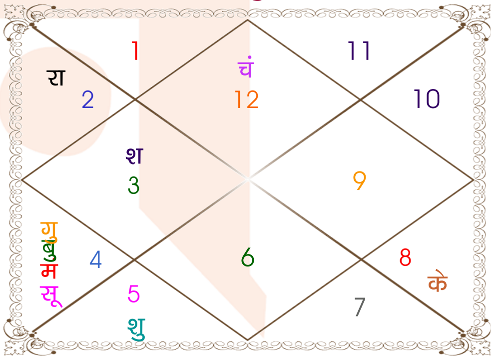

नवमांश कुंडली

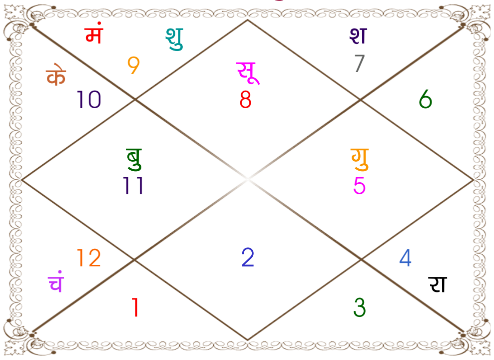

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 4 वर्ष 2 मास 17 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
31/07/2002		17/10/2006		17/10/2013		17/10/2033		18/10/2039	
17/10/2006		17/10/2013		17/10/2033		18/10/2039		17/10/2049	
	00/00/0000	केतु	16/03/2007	शुक्र	16/02/2017	सूर्य	04/02/2034	चंद्र	17/08/2040
	00/00/0000	शुक्र	15/05/2008	सूर्य	16/02/2018	चंद्र	05/08/2034	मंगल	18/03/2041
	00/00/0000	सूर्य	20/09/2008	चंद्र	18/10/2019	मंगल	11/12/2034	राहु	17/09/2042
	00/00/0000	चंद्र	21/04/2009	मंगल	17/12/2020	राहु	05/11/2035	गुरु	17/01/2044
	00/00/0000	मंगल	17/09/2009	राहु	18/12/2023	गुरु	23/08/2036	शनि	17/08/2045
	00/00/0000	राहु	05/10/2010	गुरु	18/08/2026	शनि	05/08/2037	बुध	17/01/2047
	31/07/2002	गुरु	11/09/2011	शनि	17/10/2029	बुध	12/06/2038	केतु	18/08/2047
गुरु	07/02/2004	शनि	20/10/2012	बुध	17/08/2032	केतु	17/10/2038	शुक्र	18/04/2049
शनि	17/10/2006	बुध	17/10/2013	केतु	17/10/2033	शुक्र	18/10/2039	सूर्य	17/10/2049

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
17/10/2049		17/10/2056		17/10/2074		17/10/2090		18/10/2109	
17/10/2056		17/10/2074		17/10/2090		18/10/2109		00/00/0000	
मंगल	15/03/2050	राहु	30/06/2059	गुरु	05/12/2076	शनि	20/10/2093	बुध	16/03/2112
राहु	03/04/2051	गुरु	23/11/2061	शनि	18/06/2079	बुध	29/06/2096	केतु	13/03/2113
गुरु	09/03/2052	शनि	29/09/2064	बुध	23/09/2081	केतु	08/08/2097	शुक्र	12/01/2116
शनि	18/04/2053	बुध	18/04/2067	केतु	30/08/2082	शुक्र	09/10/2100	सूर्य	17/11/2116
बुध	15/04/2054	केतु	06/05/2068	शुक्र	30/04/2085	सूर्य	21/09/2101	चंद्र	19/04/2118
केतु	11/09/2054	शुक्र	06/05/2071	सूर्य	16/02/2086	चंद्र	22/04/2103	मंगल	16/04/2119
शुक्र	11/11/2055	सूर्य	30/03/2072	चंद्र	18/06/2087	मंगल	31/05/2104	राहु	02/11/2121
सूर्य	18/03/2056	चंद्र	29/09/2073	मंगल	24/05/2088	राहु	07/04/2107	गुरु	01/08/2122
चंद्र	17/10/2056	मंगल	17/10/2074	राहु	17/10/2090	गुरु	18/10/2109		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 4 वर्ष 2 मा 17 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न में हुआ है। आपके जन्मकाल पूर्वीय क्षितिज पर मिथुन लग्न उदीयमान था। तत्कालिक वृश्चिक नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण के प्रभाव से यह स्पष्ट है कि आप व्यक्तिगत रूप से अपने जीवन को विविध व्यंजित प्रकार से संचालनार्थ दृढ़ निश्चयी हैं।

आपकी विशेषता यह है कि आप सदैव सभी चीजों में विविधता की झलक देखेंगी तथा विविधायुक्त प्राप्त करेंगी।

आपकी आकृति दुर्बल अर्थात शरीर से दुबली लंबी एवं आखें आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीत योनि के सदस्यों के साथ लोकप्रियता का रूख रखती हैं। परिणाम स्वरूप अनेक प्रेम संबंध के प्रति अपने पति के साथ विरोधात्मक रूख अपना लेती हैं तथा आप कठोरतम कदम उठाकर गृह त्याग करने की धमकी देती हैं। आप शीघ्रता पूर्वक अपने रौबिले कार्य कलाप से जीवन संगी के साथ क्लेश युक्त वातावरण उत्पन्न कर लेती हैं। आपके कार्यकलाप भी विभिन्नताओं से युक्त हैं। आप सदैव एक व्यवसाय को छोड़कर अन्य व्यवसाय के लिए छलांग लगाना आपकी अत्यावश्यक दिनचर्या है।

आप एक ही समय साथ-साथ दों कार्यभार का संपादन करने के लिए तत्पर हो जाती हैं तथा उसे सकारात्मक रूप भी देती हैं। परिणामस्वरूप आप एकाग्रता पूर्वक अच्छे ढंग से कोई कार्य एक साथ एक समय पर नहीं कर पाती हैं।

आपके आय का क्षेत्र व्यापक हैं, अतः आप निःसंदेह समय-समय पर बहुत कुछ लाभ प्राप्त कर लेंगी। परंतु यह लाभ अधिक दिनों तक सुरक्षित नही रह सकेगा। क्योंकि आप की आदत ऐसी है कि आप आनंद प्राप्त करने के उमंग में खर्चीली तथा अपव्ययकारी हो जाती हैं। जबकि व्यवसायिक पक्ष के मित्र आपके घर आते हैं। उस समय आप अपने स्वामी अथवा व्यवसायिक महारथियों के साथ आमोद-प्रमोद करना पसंद करती हैं। आपके असावधानी पूर्वक अचेत होकर अवकाश के समय कठिनतम संपत्ति को व्यय कर देने से जीवन में उतार-चढ़ाव के दिन देखने पड़ते हैं। इसलिए ऐसी आशंका ही नही कि आपका संपूर्ण जीवन संघर्षपूर्ण परिस्थितियों के साथ गुजरे अपितु यह पूर्णरूपेण संभाव्य है कि आपका जीवन संघर्षमय रहेगा।

आप किसी भी कार्य को संपादन करने के निर्णय को परिवर्तन करने के बजाय, आप इस प्रकार की सीख लेकर अपने स्वभाव को विस्तार पूर्वक नियम कर लें तथा बार-बार अन्य क्षेत्र में हाथ न फैलाएं।

इसमें कोई संदेह नहीं कि आपकी मित्रमंडली बड़ी है तथा ये कठिन परिस्थितियों में बहुत दिनों तक आपका साथ निभा सकना प्रमाणित करेंगे।

यह तथ्य पूर्ण बात है कि आपके मित्रों को आपकी मनोवृत्रि का ज्ञान होना कठिनतम है। क्योंकि आपमें मित्रों को बदलते रहने की आदत है तथा आपके इस अभिप्राय को कोई समझ नही पाता है। परिणाम स्वरूप बहुतायत में आपके मित्र अत्यावश्यक समय पर

आपका साथ छोड़ देते हैं। अर्थात् आवश्यकता पड़ने पर कोई आप का मददगार नही होता है।

संप्रति आप पूर्णरूपेण स्वस्थ हैं। बड़ी रोग या तकलीफ के पूर्व ही आपको सचेत रहना अति उत्तम है। आपकी छलांग लगाने की प्रवृत्ति से आपको विश्राम नही मिलता क्योंकि आपके मस्तिष्क में बहुत सी बातों का विचार एवं कार्य संपादन मस्तिष्क पर अधिक भार डालने का प्रयास करते रहते हैं।

अतः आप ऐसा सबक लेंकर अपने मस्तिष्क से चिंता करना छोड़ दें अर्थात् चिंताओं को दिमाग से निकाल दें तथा सुखपूर्वक विश्राम एवं शयन करें।

आपको भावी रोगादि तथा किड़नी की दिक्कतें, शारीरिक खुजलाहट, इन्फ्लुऐंजा एवं श्वांसनली की विकृतियों के प्रति सावधानी बरतना चाहिए ताकि स्वास्थ्य लाभ की निश्चितता एवं पूर्ण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हो सके। आप अपने खान-पान की आदतों के संबंध में भी सतर्क रहें तथा क्रमिक रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराना भी सहायक होगा।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में 7 एवं 3 अंक शुभ एवं अनुकूलता दायक है। अंक 4 एवं अंक 8 पर निर्भर न रहें क्योंकि ये अंक पूर्ण फलदायी नही हैं।

आप लाल एवं काला रंग का व्यवहार नहीं करें। आपके लिए पीला, नीला, गुलाबी एवं हरा रंग शुभ एवं प्रेरक है।